

24/7/24

पन्नावली पेस हई ऊधिवरवा
वाडी- उतिवाडी हाकि नही
नाल-2 आवागे लगाई
जई उरप यक्ष से कालगत
व वकालगत हाकि नही
होते पर पन्नावली ऊरग
पेखी ने वाडपत्र- उतिवाडपत्र
स्वारिण क्रिया जाता थी
पन्नावली असला होकर
वाड नकमील सारिल
समल हो

